विषय-सूची

	विषय	पृष्ठ
(१)	पूजन (कविता)—श्री सियारामशरण गुप्त, चिरगाँव, झाँसी ...	१
(२)	रस-मीमांसा—डाक्टर भगवानदास, काशी	२
(३)	संस्कृत का वैज्ञानिक अनुशीलन—आचार्य श्रीविधुशेखर भट्टाचार्य शांतिनिकेतन, बोलपुर ...	२१
(४)	संदेश (कविता)—श्रीमती तोरनदेवी शुक्ल 'लली,' लखनऊ ...	३०
(५)	मुसलमानों के पहले की राजपूत-चित्रणकला—विद्यामहोदधि श्री काशीप्रसाद जायसवाल, एम० ए०, बारिस्टर-एट-ला, पटना	३१
(६)	वेद और वह्नियुग—श्री रुद्रदेवशास्त्री, वेदशिरोमणि, दर्शनालंकार, काशी-विद्यापीठ	३३
(७)	चातक (कविता)—राय कृष्णदास	४३
(८)	भारतीय इतिहास में राजपूतों के इतिहास का महत्त्व—महाराज-कुमार रघुवीरसिंह बी० ए०, एल-एल० बी०, सीतामऊ	४४
(९)	जीवन-फूल—श्रीमती सुभद्रादेवी चौहान, जबलपुर	५७
(१०)	सूरदास का काव्य और सिद्धांत—श्री नलिनीमोहन सान्याल, एम० ए०, भाषा-तत्व-रत्न, नदिया (बंगाल)	५८
(११)	भारतीय वाङ्मय के अमर रत्न—श्री जयचंद्र विद्यालंकार, प्रयाग ...	६९
(१२)	लोरी (कविता)—श्री मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव, झाँसी ...	९३
(१३)	आर्य कालक—श्री मुनि कल्याणविजय, उदयपुर	९४
(१४)	पुरुषार्थ—महामहोपाध्याय श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, जबलपुर ...	१२०
(१५)	जन्म-मृत्यु के अनुपात में भारत तथा संसार के अन्य देश—प्रोफेसर विनयकुमार सरकार	१३३
(१६)	उनसे (कविता)—श्रीमती कुमारी 'सत्य', देहरादून	१३६
(१७)	अंगिरस अग्नि—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, एम० ए०, एल-एल बी०, मथुरा	१३७
(१८)	पर्दे के पीछे (कविता)—श्री हरिकृष्ण 'प्रेमी', अजमेर	१४२
(१९)	कविवर ठाकुर जगमोहनसिंह—रायबहादुर हीरालाल, बी० ए०, कटनी-मुड़वारा	१४३
(२०)	सेवा (कविता)—प्रोफेसर शिवाधार पांडेय, एम० ए०, प्रयाग-विश्वविद्यालय	१४७
(२१)	साधारणीकरण और व्यक्ति-वैचित्र्यवाद—श्री रामचंद्र शुक्ल, हिन्दू-विश्वविद्यालय, काशी	१४८

	विषय	पृष्ठ
(२२)	मृत्यु-जीवन (कविता)—पं० हरिशंकर शर्मा कविरत्न, आगरा ...	१५७
(२३)	उद्यान (कविता)—श्री अयोध्यासिंह उपाध्याय "हरिऔध" काशी ...	१५८
(२४)	कौटलीय अर्थशास्त्र में राज्य द्वारा समाज का नियंत्रण—श्री सत्यकेतु विद्यालंकार, गुरुकुल, काँगड़ी	१६०
(२५)	ओस की बूँद के प्रति (कविता)—ठाकुर श्रीनाथसिंह, प्रयाग ...	१६६
(२६)	भविष्य का समाज—डाक्टर बेनीप्रसाद, एम० ए०, पी-एच्० डी०, डी० एस्-सी०, विश्वविद्यालय, प्रयाग	१६७
(२७)	माली (कविता)—मुंशी अजमेरी, काशी	१७०
(२८)	कुंडलिनी-तत्त्व—प्रिंसिपल गोपीनाथ कविराज, एम० ए०, काशी ...	१७१
(२९)	भावी भारत के पत्रकार—श्री रामानंद चट्टोपाध्याय, संपादक माडर्न रिव्यू, कलकत्ता	१८४
(३०)	हिन्दुस्तानी का सबसे प्राचीन व्याकरण—डाक्टर सुनीतिकुमार चट्टोपाध्याय, एम० ए०, डी० लिट० (लंदन), कलकत्ता विश्वविद्यालय ...	१९४
(३१)	An Englishman's Stray Thoughts on Hindi Literature—रेव० एडविन ग्रीव्स्	२०४
(३२)	प्राचीन अरबी कविता—प्रोफेसर मुंशी महेशप्रसाद मौलवी-आलिम-फाजिल, हिन्दू-विश्वविद्यालय, काशी	२१०
(३३)	गुरुता से लघुता की ओर (कविता)—श्री जगन्नाथप्रसाद 'मिलिंद' ...	२१७
(३४)	जावा के प्राचीन संस्कृत शिलालेख—श्री बहादुरचंद्र शास्त्री, हिंदी प्रभाकर, एम० ए०, डी० लिट्०, हालैंड	२१९
(३५)	एक (कविता)—श्री मदनमोहन मिहिर, प्रयाग	२३५
(३६)	दुखी जीवन—श्री प्रेमचंद बी० ए०, संपादक, 'हंस' और 'जागरण', काशी	२३६
(३७)	भूमि की 'पादावर्त्त' नामक प्राचीन माप—महामहोपाध्याय रायबहादुर गौरीशंकर-हीराचंद ओझा, अजमेर	२४२
(३८)	महिम्न-स्तोत्र की प्राचीनता और उसका मूल पाठ—प्रोफेसर रामेश्वर-गौरीशंकर ओझा, एम० ए०, इंदौर	२४७
(३९)	कौन था ? (कविता)—श्रीमती महादेवी वर्मा बी० ए०, प्रयाग ...	२६१
(४०)	अलंकार—सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, मथुरा	२६२
(४१)	उर्दू-शायर और शेख जी—श्री ब्रजमोहन वर्मा, सहकारी संपादक 'विशाल भारत', कलकत्ता	२६८

	विषय	पृष्ठ
(४२)	कुछ क्षण (कविता)—श्री भगवतीचरण वर्मा, प्रयाग	२७७
(४३)	चित्र-मीमांसा—श्री न्हानालाल चमनलाल मेहता, आइ० सी० एस०	२७९
(४४)	श्री हर्षवर्धन का विद्यानुराग और कवित्व-शक्ति—डॉक्टर रमाशंकर त्रिपाठी, एम० ए०, पी-एच्० डी० लंदन, हिन्दू-विश्वविद्यालय, काशी ...	२८४
(४५)	उसी ओर—तेजनारायण काक 'क्रांति'	२९१
(४६)	दिल्ली की पठान-कालीन मुस्लिम वास्तु-कला—प्रोफेसर परमात्माशरण, एम० ए०, हिंदू-विश्वविद्यालय, काशी	२९२
(४७)	रूप-राशि (कविता)—श्री रामकुमार वर्मा, प्रयाग	३०७
(४८)	मनुस्मृति के संबंध में कुछ नए अनुसंधान—डॉक्टर मंगलदेव शास्त्री, एम० ए०, डि० फिल्० (ऑक्सन), काशी	३०८
(४९)	परदे में (कविता)—ठाकुर गोपालशरणसिंह, रीवाँ	३१२
(५०)	नालंदा विश्वविद्यालय—साहित्याचार्य प्रोफेसर विश्वनाथप्रसाद, एम० ए०, साहित्यरत्न, नालंदा (बिहार)	३१४
(५१)	'मनु' तथा 'इंद्र'—प्रोफेसर सत्यव्रत सिद्धांतालंकार, गुरुकुल, काँगड़ी ...	३३०
(५२)	धूम (कविता)—महंत धनराजपुरी, मुजफ्फरपुर	३३३
(५३)	अप्रौढ़ हिंदी—श्री रामचंद्र वर्मा, काशी	३३४
(५४)	वीर बाला (कविता)—श्री द्वारकाप्रसाद गुप्त 'रसिकेंद्र' कालपी ...	३३७
(५५)	The Future of Hindi Literature—प्रो० पा० शेषाद्रि ...	३३८
(५६)	विक्रमशिला-विद्यापीठ—अध्यापक शंकरदेव विद्यालंकार, गुरुकुल-सूपा, गुजरात	३४१
(५७)	दूसरी दिशा को (कविता)—श्री पद्मकांत मालवीय, प्रयाग ...	३४६
(५८)	झिल्ली-रव (कविता)—प्रोफेसर बलवंत गणेश खापर्डे, कविभूषण, हिंदू-विश्वविद्यालय, काशी	३४७
(५९)	रजत—कविराज प्रतापसिंह रसायनाचार्य, हिंदू-विश्वविद्यालय, काशी	३५०
(६०)	तेरी लीला—ठाकुर रामसिंह, एम० ए०, बीकानेर ...	३५२
(६१)	बेवोल्फ—प्रोफेसर कृपानाथ मिश्र, एम० ए०, पटना	३५३
(६२)	जागरण (कविता)—श्री रामनरेश त्रिपाठी, प्रयाग	३५५
(६३)	गुजराती साहित्य के तीन अपूर्व 'न'—अध्यापक सांवलजी नागर, काशी	३५६
(६४)	अतिथि (कविता)—श्रीमती सुशीलादेवी सामंत, बिदुषी, सिंहभूमि ...	३६३
(६५)	प्रतिमान लुप्त अंग—श्री दीवान बहादुर केशवलाल हर्षदराय ध्रुव, बी० ए०	३६४

	विषय	पृष्ठ
(६६)	विचित्र बेनी (कविता)—पं० गांगेय नरोत्तम शास्त्री, कलकत्ता ...	३७१
(६७)	ऐतिहासिक विचार-शैली—प्रोफेसर गंगाप्रसाद मेहता, एम० ए०, हिंदू-विश्वविद्यालय, काशी	३७२
(६८)	On Different Perceptions of Literary Facts—प्रो० ए० बेरिन्निकोव, लेनिनग्रेड, रूस	३८२
(६९)	सुधि (कविता)—श्री नरेंद्र, प्रयाग	३८८
(७०)	कौटिल्य का भूगोल-ज्ञान—श्री गोपाल दामोदर तामस्कर, एम० ए०, जबलपुर	३८९
(७१)	वाणी (कविता)—श्री कृष्णानंद गुप्त, चिरगाँव	३९४
(७२)	पद्मावत की कहानी और जायसी का अध्यात्मवाद—श्री पीतांबरदत्त बड़थ्वाल, एम० ए०, एल-एल० बी०, काशी	३९५
(७३)	संस्कृत-गीत (कविता)—श्री शालग्राम शास्त्री, लखनऊ ...	४०१
(७४)	उर्दू क्योंकर पैदा हुई—मौलाना सैयदहुसेन शिबली नदवी, आजमगढ़...	४०२
(७५)	कलिके ! (कविता)—श्री बालकृष्ण राव, प्रयाग	४११
(७६)	तरंग (कविता)—श्री जयकिशोरनारायणसिंह, मुजफ्फरपुर ...	४१२
(७७)	कौतुक—श्रीमती दिनेशनंदिनी, चोरड्या, नागपुर	४१३
(७८)	हास्य का मनोविज्ञान—श्री कृष्णदेवप्रसाद गौड़, एम० ए०, एल्० टी०, काशी	४१४
(७९)	खड़ी बोली की प्राचीनता—श्री जगन्नाथप्रसाद शर्मा, एम० ए०, रसिकेश, काशी	४१८
(८०)	आधुनिक नाटक पर एक दृष्टि—श्री कृष्णानंद गुप्त, चिरगाँव ...	४२२
(८१)	कामना (कविता)—श्रीमती रामेश्वरी देवी मिश्र 'चकोरी', लखनऊ ...	४२५
(८२)	हिंदी वर्णों का प्रयोग—प्रोफेसर धीरेंद्र वर्मा, एम० ए०, प्रयाग ...	४२६
(८३)	निंदे ! (कविता)—श्री पद्मनारायण आचार्य, एम० ए०, काशी ...	४३०
(८४)	प्रताप-पंचक (कविता)—श्री अक्षयकीर्ति व्यास 'अक्षय', उदयपुर ...	४३१
(८५)	गोस्वामी तुलसीदास और समर्थ रामदास—श्री ज्योहार राजेंद्रसिंह, जबलपुर	४३२
(८६)	गीत (कविता)—श्री सत्याचरण 'सत्य', एम० ए०, गोरखपुर ...	४४१
(८७)	प्राचीन भारत का न्याय-विभाग और उसकी कार्य-प्रणाली—श्री कैलाशपति त्रिपाठी, एम० ए०, एल्-एल० बी०, काशी	४४२
(८८)	कामना-कली (कविता)—श्री मधुसूदनप्रसाद मिश्र 'मधुर' ...	४५७

	विषय	पृष्ठ
(८९)	धमणार की बौद्ध गुफाएँ और धर्मनाथ का मंदिर—श्री किशनलाल दुर्गाशंकर दुबे	४५८
(९०)	उपालंभ (कविता)—श्री देवीदत्त शुक्ल, प्रयाग	४६२
(९१)	बुद्धि नापने की वैज्ञानिक प्रणालियाँ; उनकी आवश्यकता और उपयोग—राय बहादुर लज्जाशंकर झा, एम० ए०, आइ० इ० एस०, काशी ...	४६३
(९२)	शिशु के प्रति (कविता)—श्री शांतिप्रिय द्विवेदी, काशी... ...	४७२
(९३)	मारवाड़-नरेश महाराज रामसिंह जी और राठौड़ वीरों की अद्भुत उदारता—श्री विश्वेश्वरनाथ रेउ, साहित्याचार्य, एम० ए०, जोधपुर ...	४७३
(९४)	बोधि-वृक्ष से (कविता)—श्री सोहनलाल द्विवेदी, काशी	४७९
(९५)	भारतीय चिकित्सा-शास्त्र की विशेषता—नाड़ी-परीक्षा—आयुर्वेद पंचानन पं० जगन्नाथप्रसाद शुक्ल, वैद्यभिषक्मणि, प्रयाग	४८०
(९६)	भारतीय कला—श्री गोपाल नेवटिया, फतेहपुर (जयपुर) ...	४८९
(९७)	निरक्ष देश—ज्योतिषाचार्य सूर्यनारायण व्यास, विद्यारत्न, उज्जैन ...	४९२
(९८)	The Macaulay Maya—श्री संत निहालसिंह, देहरादून ...	४९५
(९९)	छाया-छल (कविता)—श्री श्यामाचरणदत्त पन्त	५१५
(१००)	अन्त में (कविता)—श्री मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव, झाँसी ...	५१७

श्रद्धांजलि

	विषय	पृष्ठ
(१)	महात्मा गाँधी का संदेश—श्री मोहनदास कर्म्मचंद गाँधी ...	५२०
(२)	श्रद्धांजलि—श्री सुमित्रानंदन पंत	५२१
(३)	हिंदी-साहित्य पर द्विवेदी जी का प्रभाव—श्री रामदास गौड़ एम० ए०, काशी	५२२
(४)	संदेश—डाक्टर थियोडोर वान विन्टरस्टीन	५२८
(५)	वे दिन—श्री केदारनाथ पाठक, काशी	५२९
(६)	संदेश—नूट हामजून ग्रिम्सटैड	५३२
(७)	द्विवेदी जी की एकनिष्ठ साधना—श्री चंद्रशेखर शास्त्री, प्रयाग ...	५३३
(८)	परिचय—श्री देवीप्रसाद शुक्ल, प्रयाग	५३४
(९)	संस्कृति-रक्षा और द्विवेदी जी—भाई परमानंद, लाहौर ...	५३६
(१०)	पंडित महावीरप्रसाद द्विवेदी—श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, बी० ए०, नागपुर	५३७

विषय			पृष्ठ
(११)	श्रद्धांजलि:—श्रीज्वालादत्तशर्मणः	... ...	५३८
(१२)	मेरे गुरुदेव—श्री देवीदत्त शुक्ल (सरस्वती-संपादक)	... ...	५३९
(१३)	संदेश—सर जार्ज ग्रियर्सन	... ...	५४१
(१४)	आचार्य द्विवेदी जी—श्री हरिभाऊ उपाध्याय, साबरमती	...	५४२
(१५)	साहित्य-महारथी द्विवेदी जी—श्री सत्यदेव परिव्राजक ...	...	५४५
(१६)	अभिनन्दन (कविता)—श्री रूपनारायण पांडेय, लखनऊ	...	५४६
(१७)	सफल सम्पादक द्विवेदी जी—पं० लल्लीप्रसाद पांडेय, काशी	...	५४७
(१८)	द्विवेदी-युग की काव्य-प्रगति—श्री रामबहोरी शुक्ल, बी० ए०, काशी ...		५४९
(१९)	आदर्श संपादक द्विवेदी जी—श्री लक्ष्मीधर वाजपेयी और ज्योतिःप्रसाद मिश्र 'निर्मल'	... ...	५६०
(२०)	संदेश—श्री एल० डी० बोमन जी	... ...	५६२
(२१)	आचार्य पंडित महावीरप्रसाद द्विवेदी—श्री यज्ञदत्त शुक्ल, बी० ए० ...		५६३
(२२)	संदेश—डाक्टर वन विन्टरस्टीन	... ...	५७२
(२३)	चित्र-परिचय	... ...	५७५
(२४)	प्रतिष्ठापक-सूची	... ...	५८१

चित्र-सूची

विषय	पृष्ठ
१—आचार्य द्विवेदी जी (इस ग्रंथ के लिये तैयार कराया गया चित्र) ...	मुखपृष्ठ
२—पं० श्रीधर पाठक, पं० अयोध्यासिंह उपाध्याय, राय देवीप्रसाद पूर्ण और पं० नाथूराम शंकर शर्मा	१६
३—आचार्य द्विवेदी जी (संवत १९७९)	३२
४—आचार्य द्विवेदी जी और उनकी दिवंगता धर्मपत्नी	४८
५—पं० गंगाप्रसाद अग्निहोत्री, पं० लल्लीप्रसाद पांडेय, पं० रामावतार शर्मा और पं० महेन्दुलाल गर्ग	६४
६—आचार्य द्विवेदी जी (संवत् १९६२-१९६४) और उनकी धर्मपत्नी की संगमर्मर की मूर्त्ति	८०
७—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, पं० रामचंद्र शुक्ल, पं० कामताप्रसाद गुरु, और पं० रामचरित उपाध्याय	९६
८—ठाकुर जगमोहनसिंह वर्मा	१४०

विषय			पृष्ठ
९—स्व० बाबू चिंतामणि घोष (रंगीन)	...	...	१४४
१०—बाबू काशीप्रसाद जायसवाल, सेंट निहालसिंह, श्रीमान् रामानंद चट्टोपाध्याय			१६८
११—पं० गोविंदनारायण मिश्र, पं० बालकृष्ण भट्ट, पं० पद्मसिंह शर्मा और पं० माधवराव सप्रे	...	...	१८४
१२—चि-अहतन् और जंबु के शिलालेख	...	...	२२०
१३—तुगु, कलस्सन् और कबोन् कोपि के शिलालेख	...	...	२२२
१४—स्वामी सत्यदेव, पं० प्यारेलाल मिश्र, पं० वेंकटेशनारायण त्रिपाठी और पं० लोचनप्रसाद पांडेय	...	...	२८८
१५—दीग का राजप्रासाद, राजा वीरसिंह देव का राजप्रासाद, ताजमहल, ढाई दिन का झोपड़ा और कुतुबुद्दीन काफी की कब्र	...	...	२९४
१६—अलाई दरवाजा दिल्ली, ढाई दिन का झोपड़ा, तुगलकशाह की कब्र और फीरोज तुगलक के किले का अशोक-स्तम्भ	...	...	३००
१७—जमाअतखाना मसजिद, मुबारकशाह की कब्र और फीरोज तुगलक की कब्र			३०४
१८—बाबू बालमुकुंद गुप्त, पं० रामजीलाल शर्मा और पं० गणेशशंकर विद्यार्थी			३२०
१९—पं० देवीदत्त शुक्ल, ठाकुर श्रीनाथसिंह, पं० सुंदरलाल द्विवेदी और श्री अपूर्वकृष्ण बोस	...	...	४००
२०—बाबू राधाकृष्णदास, पं० किशोरीलाल गोस्वामी, बाबू जगन्नाथदास रत्नाकर और बाबू कार्तिकप्रसाद खत्री	...	...	४३२
२१—श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, पं० देवीप्रसाद शुक्ल, पं० हरिभाऊ उपाध्याय और पं० उदयनारायण वाजपेयी	...	...	४९६
२२—आचार्य द्विवेदी जी की धर्मपत्नी का स्मृति-मंदिर और द्विवेदी जी का बैठक। तथा पुस्तकालय	...	...	५६४
२३—आचार्य द्विवेदी जी, उनका परिवार तथा अतिथिशाला		...	५६८